







Solan, हिमाचल प्रदेश, भारत

Ramshahar Katal Road, Ramshehar, Solan,
हिमाचल प्रदेश 174102, भारत

Lat 31.098246, Long 76.803168

09/13/2025 12:35 PM GMT+05:30

Note : Captured by GPS Map Camera



Solan, हिमाचल प्रदेश, भारत

Ramshahar Katal Road, Ramshehar, Solan,
हिमाचल प्रदेश 174102, भारत

Lat 31.098268, Long 76.803159

09/13/2025 12:31 PM GMT+05:30

Note : Captured by GPS Map Camera



Solan, हिमाचल प्रदेश, भारत

Ramshahar Katal Road, Ramshehar, Solan,
हिमाचल प्रदेश 174102, भारत

Lat 31.098395, Long 76.803166

09/13/2025 12:31 PM GMT+05:30

Note : Captured by GPS Map Camera



Solan, हिमाचल प्रदेश, भारत

Ramshahar Katal Road, Ramshehar, Solan,
हिमाचल प्रदेश 174102, भारत

Lat 31.097867, Long 76.802785

09/13/2025 12:28 PM GMT+05:30

Note : Captured by GPS Map Camera

13 सितंबर, 2025 को राजकीय महाविद्यालय रामशहर में 'हिंदी दिवस' बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सिमरन घिल्डियाल ने शिरकत की। समस्त स्टाफ के सदस्यों द्वारा उनका हार्दिक अभिनंदन किया गया।

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार का आयोजन करते हुए 10 सितंबर को हिन्दी विभाग द्वारा छात्रों हेतु 'नारा लेखन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अंजलि ठाकुर, द्वितीय स्थान संजना देवी और तृतीय स्थान बंदना देवी ने प्राप्त किया।

13 सितम्बर, 2025 को भी विद्यार्थियों के लिए 'कविता वाचन' और 'भाषण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। कविता वाचन में प्रथम स्थान पूनम देवी, द्वितीय स्थान भारती और तृतीय स्थान रेखा देवी ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ज्योति देवी, द्वितीय स्थान पूनम देवी और तृतीय स्थान सोनिका ठाकुर ने प्राप्त किया। सभी विजेता छात्रों को बधाई देते हुए महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्राचार्य ने अपने वक्तव्य में छात्रों को संबोधित करते हुए राष्ट्रभाषा और राजभाषा हिंदी के स्वरूप को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा वास्तव में इस देश की राष्ट्रभाषा है क्योंकि यह भाषा हमारी सभ्यता, संस्कृति, राष्ट्रीय एकता, अखंडता, धार्मिकता एवं सामाजिकता को अभिव्यक्त करती है। उन्होंने अपने संबोधन में छात्रों से आग्रह किया कि हमें अपनी मातृभाषा, राष्ट्रभाषा हिंदी के साथ-साथ सभी भाषाओं का सम्मान करना चाहिए। सरकारी कार्यों और बातचीत के लिए हिंदी का प्रयोग करते हुए शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए।

कार्यक्रम में मंच संचालन का कार्य हिंदी विभाग के प्राध्यापक श्री संदीप कुमार द्वारा किया गया। श्री संदीप कुमार ने अपने संबोधन में छात्रों से कहा कि हिंदी भाषा हमारे गौरव का प्रतीक है और राष्ट्र की अस्मिता है। हमें भारतवर्ष की सभी भाषाओं का सम्मान करते हुए उनसे ज्ञानार्जन करना चाहिए। भाषा से मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण होता है और भाषा मनुष्य का श्रृंगार है। हिंदी भाषा के गौरवमय इतिहास का वर्णन उन्होंने इस अवसर पर छात्रों से सांझा किया।

नारा लेखन, कविता वाचन और भाषण प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका का निर्वाह श्री डी.सी. नेगी, श्रीमती सुमन कुमारी और श्री शशि के पालनाटा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में समस्त प्रतिभागियों और छात्रों के जलपान की व्यवस्था की गयी। इस अवसर पर डॉ. तनु कलसी, श्रीमती रीतु व समस्त शिक्षक और गैर-शिक्षक वर्ग उपस्थित रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया।